Cambridge International A Level

Cambridge International Examinations
Cambridge International Advanced Level

HINDI **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2018**

2 hours 30 minutes

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An answer booklet is provided inside this question paper. You should follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper ask the invigilator for a continuation booklet.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose **one** question from Section 1, **one** question from Section 2 and **one other**.
Write your answers in **Hindi**.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.
All questions in this paper carry equal marks.

पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

इस प्रश्न-पत्र के भीतर उत्तर-पुस्तिका दी गई है। उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण करें। यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुने जाने चाहिए। **भाग 1** से **एक** प्रश्न, **भाग 2** से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। और **एक अन्य** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।
शब्दकोश का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक **नहीं** ले जा सकते हैं।

आपका प्रत्येक उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच लिखा जाना चाहिए।
इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं।

This document consists of **6** printed pages, **2** blank pages and **1** Insert.

KI 151956/2
© UCLES 2018

CAMBRIDGE
International Examinations

उत्तर-पुस्तिका का निर्देश:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर खाली खानों को भरें।
गहरे नीले या काले रंग की स्याही से लिखें।
किसी भी बारकोड के ऊपर न लिखें।
अपने उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखें। पृष्ठ के दोनों तरफ लिखें। कृपया प्रत्येक प्रश्न के उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच दो पंक्तियाँ खाली छोड़ें।
जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं उसकी प्रश्न-संख्या पहले हाशिये में लिखें।

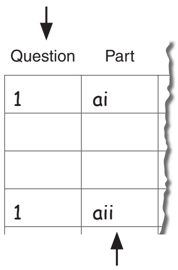

आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं, यदि उसके कई भाग हैं, उदाहरण के लिए **1(a)**, उस भाग को हाशिये के दूसरे भाग में लिखें।
यदि आपने अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका का उपयोग किया है तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ लगा दें।

BLANK PAGE

© UCLES 2018

<u>भाग 1</u>

1 सूरसागर सार - सूरदास और श्री रामचरितमानस - तुलसीदास

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a)

बैठेउ सभाँ खबरि असि पाई। सिंधु पार सेना सब आई।।
बूझेसि सचिव उचित मत कहहू। ते सब हँसे मष्ट करि रहहू।।
जितेहु सुरासर तब श्रम नाहीं। नर बानर केहि लेखे माहीं।।
सचिव बैद गुर तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस।
राज धर्म तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास।।37।।
सोइ रावन कहुँ बनी सहाई। अस्तुति करहिं सुनाइ सुनाई।।
अवसर जानि बिभीषनु आवा। भ्राता चरन सीसु तेहिं नावा।।
पुनि सिरु नाइ बैठ निज आसन। बोला बचन पाइ अनुसासन।।
जौ कृपाल पूँछिहु मोहि बाता। मति अनुरूप कहउँ हित ताता।।
जो आपन चाहै कल्याना। सुजसु सुमति सुभ गति सुख नाना।।
सो परनारि लिलार गोसाईं। तजउ चउथि के चंद कि नाईं।।
चौदह भुवन एक पति होई। भूतद्रोह तिष्टइ नहिं सोई।।
गुन सागर नागर नर जोऊ। अलप लोभ भल कहइ न कोऊ।।
काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ।
सब परिहरि रघुबीरहि भजहु भजहिं जेहि संत।।

सुंदरकाण्ड ।।38।।

उपर्युक्त उद्धरण की संदर्भ सहित व्याख्या करते हुए उसमें निहित नैतिक संदेश की वर्तमान युग में प्रासंगिकता पर अपने विचार लिखिए। [25]

या

(b) सूरसागर सार से पाठ्यक्रम में निर्धारित पदों के उदाहरण सहित सूरदास की भक्ति-भावना की विवेचना कीजिए। [25]

© UCLES 2018

2 प्रसाद, निराला, महादेवी, पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a)

स्नेह- निर्झर बह गया है;
रेत ज्यों तन रह गया है।
आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है-“अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते; पंक्ति मैं वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ-”
जीवन दह गया है।
दिये हैं मैंने जगत को फूल - फल,
किया है अपनी प्रभा से चकित - चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल-
ठाट जीवन का वही
जो ढह गया है।
अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा,
श्याम तृण पर बैठने को निरुपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा;
मै अलक्षित हूँ; यही
कवि कह गया है।

स्नेह-निर्झर बह गया

उपर्युक्त कविता की सप्रसंग व्याख्या करते हुए लिखिए कि यह कवि की आंतरिक संवेदना की अभिव्यक्ति में कहाँ तक सक्षम है? [25]

या

(b) पाठ्यक्रम में निर्धारित जयशंकर प्रसाद की कविताओं के आधार पर छायावाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [25]

© UCLES 2018

3 मैथिलीशरण गुप्त - भारत-भारती

प्रश्न (a) और (b) में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a) हे भाइयो! सोये बहुत, अब तो उठो, जागो अहो!
देखो जरा अपनी दशा, आलस्य को त्यागो अहो!
कुछ पार है, क्या क्या समय के उलट-फेर न हो चुके!
अब भी सजग होंगे न क्या? सर्वस्व तो हो खो चुके।।14।।

प्राचीन हों कि नवीन छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी।
प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है;
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है।।38।।

सर्वत्र एक अपूर्व युग का हो रहा संचार है,
देखो, दिनोंदिन बढ़ रहा विज्ञान का विस्तार है;
अब तो उठो, क्या पड़ रहे हो व्यर्थ सोच-विचार में?
सुख दूर, जीना भी कठिन है श्रम बिना संसार में।।39।।

भविष्यत् खण्ड

उपर्युक्त काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करते हुए भविष्यत् खण्ड की मूल संवेदना पर टिप्पणी कीजिए। [25]

या

(b) 'यह बात मानी हुई है कि भारत की पूर्व और वर्तमान दशा में बड़ा भारी वैपरीत्य है।' मैथिलीशरण गुप्त के इस कथन की व्याख्या अतीत खण्ड और वर्तमान खण्ड के पाठ्यांशों के आधार पर कीजिए। [25]

<u>भाग 2</u>

4 आधे-अधूरे - मोहन राकेश

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a) 'आधे-अधूरे' नाटक के पात्र जीवन के अधूरेपन की त्रासदी को स्वीकार न कर पाने, असंतोष और नकारात्मक सोच को किस प्रकार से चित्रित करते हैं? [25]

या

(b) 'आधे-अधूरे' नाटक की कथावस्तु के विश्लेषण द्वारा उसके शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार लिखिए। [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a) प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' के हल्कू का चरित्र चित्रण कीजिए। [25]

या

(b) मृणाल पाण्डेय की 'दुर्घटना' कहानी के कथानक का विश्लेषण करके उसकी मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ - सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **<u>केवल एक प्रश्न</u>** का उत्तर दीजिए।

(a) 'चक्कर' कहानी में महेश जियावन ने किस सामाजिक समस्या का चित्रण किया है? [25]

या

(b) अभिमन्यु अनत की 'टूटा पहिया' कहानी का कथाशिल्प की कसौटी पर मूल्यांकन कीजिए। [25]

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2018